नर्मदा परिक्रमा | चैत्र माह में पहुंचने लगे नर्मदा भक्त, 21 व 22 को होगी परिक्रमा

आस्था का केन्द्र उत्तर वाहिनी नर्मदा परिक्रमा

मंडला 15 अप्रैल नभाप्र. विगत चार वर्षो से मंडला जिले में उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा में बड़ी संख्या में नर्मदा भक्त शामिल हो रहे हैं। इस वर्ष उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा का आयोजन चैत्र माह में दो बार किया जाएगा। इसके अलावा अन्य जिले और प्रदेशों से नर्मदा भक्त अपनी श्रृद्धा भक्ति अनुसार पूरे चैत्र माह में मंडला में आकर उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा करते है। इस नर्मदा परिक्रमा में महाराष्ट्र के नर्मदा भक्तों की संख्या ज्यादा होती है। इस वर्ष भी मंडला में दो दिवसीय उत्तरवाहिनी परिक्रमा माहिष्मती मां नर्मदा उत्तर वाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति द्वारा आयोजित किया जा रहा है। इससे पहले ही सैकड़ों भक्तों ने मंडला में आकर उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा पूर्ण कर लिए है। बताया जाता है कि माँ नर्मदा की पैदल यात्रा करने पर यह परिक्रमा 3 साल 3 महीने और 13 दिन में पूरी होती है। इसके लिए कुल 2,600 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ती है।

जानकारी अनुसार माहिष्मती मां नर्मदा उत्तर वाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति द्वारा आगामी 21 व 22 अप्रैल को जिले में उत्तरवाहिनी परिक्रमा आयोजित करेंगी। इसके पहले सैकड़ों नर्मदा भक्त परिक्रमा करने के लिए पहुंच रहे है। दूसरे जिले, प्रदेशों से नर्मदा भक्तों ने घाघा में रात्रि विश्राम कर रहे है। महाआरती के बाद भजन-कीर्तन का दौर भी चल रहा है। महाराष्ट्र समेत अन्य जिलों से पहुंचे माँ नर्मदा भक्तों का माहिष्मती मां नर्मदा उत्तर वाहिनी परिक्रमा आयोजन समिति द्वारा अभिनंदन किया जा रहा है। आगामी 21 एवं 22 अप्रैल के पूर्व से ही उत्तर वाहिनी परिक्रमा के लिए भक्तों का आना प्रारंभ हो गया है। परिक्रमा के लिए पहुंचने वाले भक्तों का समिति के द्वारा स्वल्पाहार की व्यवस्था कर धर्मशाला में रूकने की व्यवस्था बनाई जा रही है।

परिक्रमावासियों की कर रहे सेवा

जिले में आयोजित होने वाली मां नर्मदा की उत्तर वाहिनी परिक्रमा में चैत्र माह में सैकड़ों, हजारों लोग यहां आकर नर्मदा परिक्रमा करते है। इन परिक्रमावासियों के लिए जिले के भक्त अपनी श्रृद्धा अनुसार उनके लिए परिक्रमा पथ पर भोजन, पानी समेत अन्य व्यवस्थाएं करते है। व्यास नारायण मंदिर से शुरू होने वाली उत्तरवाहिनी नर्मदा परिक्रमा का प्रथम पड़ाव ग्राम घाघा के नर्मदा तट किनारे होता है। इस एक तरफ के परिक्रम पथ पर सैकड़ों भक्त परिक्रमावासियों के लिए कई तरह की व्यवस्थाएं बना रहे है। वहीं दूसरी ओर नर्मदा पार करने के बाद जबलपुर मंडला मार्ग में परिक्रमावासियों के लिए कम व्यवस्थाएं है। कुछ भक्तों ने नगरवासियों समेत भक्तों से अपील की है कि गर्मी को देखते हुए उत्तरवाहिनी परिक्रमा कर रहे भक्तों के लिए बबैहा से मंडला के बीच श्रृद्धा अनुसार इनके लिए व्यवस्थाएं बनाए।

तिंदनी ग्राम में परिक्रमावासियों के लिए व्यवस्था

बताया गया कि ग्राम तिंदनी में धुर्वे परिवार द्वारा नर्मदा परिक्रमावासियों की विगत वर्षो से सेवा करते आ रहे है। श्री धुर्वे का परिवार नर्मदा परिक्रमावासियों के लिए एक अलग से कमरा भी तैयार करा दिए है। जिससे यहां से गुजरने वाले परिक्रमावासी यहां विश्राम कर अपनी परिक्रमा में आगे बढ़ सकते है। इस वर्ष भी चैत्र माह में अन्य जिले समेत महाराष्ट्र से आने वाले परिक्रमावासी यहां ग्राम तिंदनी में रूक रहे है। जहां भक्तों को जलपान भी कराया जा रहा है। यहां श्री धुर्वे द्वारा नर्मदा परिक्रमा वासियों को भोजन बाल भोग एवं रात्रि विश्राम की सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। श्री धुर्वे उत्तर वाहिनी परिक्रमा से काफी प्रेरित है। अन्य राज्यों से मां नर्मदा के भक्त परिक्रमा के लिए पहुंच रहे हैं। बता दे कि मंडला निवासी मां नर्मदा भक्त पहुंच रहे भक्तों को जगह-जगह जलपान और स्वल्पाहार भी करा रहे हैं। इस वर्ष भी लगातार उत्तर वाहिनी परिक्रमा के लिए चैत्र मास में परिक्रमा वासियों की संख्या बढ़ रही है। जिले के समस्त मां नर्मदा भक्तों से अपील है कि इन भक्तों का अपनी सुविधा अनुसार स्वागत कर अनुग्रहित करें।

तीन माह के मासूम ने जीत ली जिंदगी

मुम्बई के एसआरसीसी चिल्ड्रन नारायण हेल्थ हॉस्पिटल में हुआ नि:शुल्क ऑपरेशन

निवास 15 अप्रैल नभाप्र. बाल हृदय उपचार योजना के अंतर्गत 0 से 18 वर्ष तक के बच्चों को नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं जिला शीघ्र पहचान एवं हस्तक्षेप केन्द्र में नि:शुल्क स्वास्थ्य सेवाएं दी जा रही है। जिससे पीड़ित बच्चे निरोगी हो और एक स्वस्थ्य समाज एवं उज्जवल भविष्य का निर्माण हो। इसी उद्देश्य से आरबीएसके अंतर्गत जिला शीघ्र पहचान हस्तक्षेप केन्द्र, जिला चिकित्सालय मंडला में पीड़ित बच्चों को योजना का लाभ दिलाया जा रहा है।

कहावत है कि सुख के पीछे दुख और दुख के पीछे सुख आता है। हर निराशा के पीछे एक आशा छिपी होती है। इसी छिपी आशा की चाह में हृद्य रोग से पीड़ित तीन माह की मासूम जयंत के पिता कृष्ण कुमार विकासखंड निवास के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र निवास पहुंचे और उन्हें अपने बच्चे का स्वस्थ्य होने का आश्वासन मिला, तो उनकी खुशी देखते हुए बन रही थी। मुख्यमंत्री बाल हृदय उपचार योजना अंतर्गत जिला मंडला के विकासखंड निवास के ग्राम बम्हनी रैयत निवासी कृष्ण कुमार चक्रवर्ती के तीन माह के बालक जयंत की धड़कने थमने नहीं दी। योजना का सहारा मिला तो अब मासूम स्वस्थ्य है। अब मां बाप की खुशी देखते ही बनती है। जयंत के पिता कृष्ण कुमार ने बताया कि परिवारिक परेशानी और जानकारी ना होने के कारण बच्चे का जीवन संकट में था, लेकिन परेशानियों और परिवारिक दिक्कतों को दरकिनार कर अपनी प्रतिबद्धता और मासूम का जीवन बचाने की संकल्पित भावना से अपने बच्चे जयंत के जीवन को बचाया।

ऑपरेशन के बाद स्वस्थ्य है जयंत

आरबीएसके चिकित्सक डॉ. अजय खांडेल ने बताया कि निवास ब्लॉक के अंतर्गत ग्राम बम्हनी रैयत निवासी कृष्ण कुमार चक्रवर्ती के घर एक बालक ने जन्म लिया जिसका नाम जयंत चक्रवर्ती 03 माह का है। बच्चे को सांस लेने में तकलीफ हो रही थी। मासूम जयंत के पिता को समझ नही आ रहा था कि बच्चे को ऐसा क्यू हो रहा है, उन्होंने प्राइवेट हॉस्पिटल में दिखाया तो पता चला की बच्चे के दिल में छेद है। जिसके कारण बच्चे को ये तकलीफ हो रही है। इसका ऑपरेशन कराना पड़ेगा। जिसमें बहुत रूपए खर्च होगा। ऑपरेशन का खर्च उठाने के लिए कृष्ण कुमार की आर्थिक स्थिति ठीक नहीं थी। इसी दौरान आरबीएसके टीम निवास को जयंत के विषय में जानकारी लगी। इसके बाद आरबीएसके चिकित्सक डॉ. अजय खांडेल बच्चे के पास पहुंचे। जहां उन्होंने जयंत के पिता को आश्वासन दिया कि बच्चा बिल्कुल ठीक हो जाएगा। जयंत को मंडला डीईआईसी सेंटर लेकर आया गया, जहां शिविर में आए एसआरसीसी चिल्ड्रन नारायण हेल्थ हॉस्पिटल मुम्बई के विशेषज्ञ ने बच्चे का ईको जांच किया। जिसके बाद बच्चे को मुम्बई ऑपरेशन के लिए भेजा गया और उसका ऑपरेशन विगत 05 अप्रैल को मुम्बई में सफलता पूर्वक हुआ। अब जयंत स्वास्थ लाभ ले रहा है। जयंत के पिता कृष्ण कुमार ने निवास बीएमओ डॉ. विजय पैगवार, आरबीएसएके डॉ. अजय कुमार खांडेल, डॉ. मनोरमा पाण्डेय एवं आरबीएसके टीम को धन्यवाद दिया है।

महिला महाविद्यालय ने निकाली मतदाता जागरुकता रैली

मंडला 15 अप्रैल नभाप्र. शासकीय जेएमसी महिला महाविद्यालय में प्राचार्य प्रो डॉ शरद नारायण खरे के मार्गदर्शन व डॉ अंजली पंड्या के संयोजन-संचालन में छात्राओं ने मतदाता जागरुकता रैली निकाली। रैली में 19 अप्रैल को निश्चित रूप से मतदान करने का आह्वान किया। उन्होंने सारे काम छोड़ दो-सबसे पहले वोट दो, के नारे लगाकर मतदाता जागरुकता का प्रचार प्रसार किया। इस जागरूकता कार्यक्रम में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में डॉ अंजु सिंह का सहयोग रहा।

मतदाता स्वतंत्र व निर्भीक होकर करे अपने मताधिकार का प्रयोग

मंडला पुलिस एवं सीएपीएफ द्वारा किया गया जिले के सभी थाना, चौकियों में फ्लैग मार्च

मंडला 15 अप्रैल नभाप्र. लोकसभा चुनाव को दृष्टिगत रखते हुए मंडला पुलिस के समस्त थाना एवं चौकियों द्वारा फ्लैग मार्च किया जा रहा है। फ्लैग मार्च के दौरान अधिकारियों द्वारा आम जनता से संवाद कर चुनाव के दौरान क्षेत्र में शांति व्यवस्था बनाये रखने व भय मुक्त होकर मतदान करने की अपील की गई।

मतदाता स्वतंत्र एवं निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके इसके लिए समुचित प्रबंध किये गए है। आपका वोट आपका अधिकार है तो आए और अपनी जिम्मेदारी निभाएं 19 अप्रैल को मतदान करने घरों से जरूर निकले। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर सभी थाना,चौकियों की पुलिस बल द्वारा निगरानी रखी जा रही है। इसी के तहत थाना मोतीनाला के अंतर्गत छत्तीसगढ़ राज्य की सीमा से लगे गावों में पुलिस एवं सीआरपीएफ द्वारा फ्लेग मार्च किया गया। सभी ग्रामों के लोगों से चर्चा कर 19 अप्रैल को स्वतंत्र एवं निर्भीक होकर मतदान करने कहा गया। इसकेसाथ ही थाना बिछिया अंतर्गत सीआरपीएफ के साथ फ्लैग मार्च एवं एरिया डोमिनेशन किया गया। थाना टिकरिया और आईटीबीपी बल के साथ में एरिया डोमिनेशन के तहत थाना क्षेत्र के मतदान केंद्र खमरिया का भ्रमण के दौरान आम जन से संवाद किया गया। थाना घुघरी के डोंगरमंडला, चौकी सलवाह अंतर्गत ग्राम कुसमी, भानपुर, चौबा, सुरहेली, दुल्हादर व भानपुर में फ्लैग मार्च किया गया। जिसमे थाना प्रभारी घुघरी, चौकी प्रभारी सलवाह अपने बल के साथ सीआरपीएफ का बल शामिल रहा। थाना बीजाड़ाडी पुलिस द्वारा उदयपुर एवं बीजाड़ाडी में सीएपीएफ एवं पुलिस बल और थाना बम्हनी बंजर क्षेत्र अंतर्गत ग्राम चिरईडोंगरी में सीआरपीएफ एवं जिला पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च किया गया।

चटरा टीम ने 6 विकेट से जीता फाइनल मैच

नारायणगंज 15 अप्रैल नभाप्र. भारतीय आम नागरिक देश संघर्ष युवा संगठन द्वारा टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। चटरा डुगरिया में आयोजित प्रतियोगिता के समापन पर विजयी टीम को पुरस्कार दिया गया। बताया गया कि टेनिस बॉल क्रिकेट प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला चटरा और डुगरिया के बीच हुआ। फाइनल मुकाबले में चटरा की टीम ने 6 विकेट से फाइनल मुकाबला आपने नाम कर लिया और प्रतियोगिता की ट्राफी अपने नाम की।

क्रिकेट प्रतियोगिता के समापन अवसर पर दुर्गेश सिंगरोरे, दुर्गेश उइके, हेमराज पंद्रो, जय सिंग, मनीराम, विजय मरावी, समेत संगठन के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नीलू महाराज विंध्याचल में कर रहे एकांतिक साधना

51 शक्ति पीठों में से एक है माँ विंध्यवासिनी

मंडला 15 अप्रैल नभाप्र. मां विंध्यवासिनी देवी श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। देश के 51 शक्तिपीठों में से एक है विंध्याचल की देवी मां विंध्यवासिनी। विंध्यवासिनी देवी मधु व कैटभ नामक असुरों का नाश करने वाली भगवती यंत्र की अधिष्ठात्री देवी हैं। जो मनुष्य इस स्थान पर तप करता है, उसे अवश्य सिद्धि प्राप्त होती है। उपासकों को मनवांछित फल देने वाली मां विंध्यवासिनी देवी अपने अलौकिक प्रकाश के साथ यहां नित्य विराजमान रहती हैं। ऐसी मान्यता है कि सृष्टि आरंभ होने से पूर्व और प्रलय के बाद भी इस क्षेत्र का अस्तित्व कभी समाप्त नहीं हो सकता। यहां पर संकल्प मात्र से उपासकों को सिद्धि प्राप्त होती है। इस कारण यह क्षेत्र सिद्ध पीठ के रूप में विख्यात है। मां विंध्यवासिनी के धाम में पूरे वर्ष श्रृद्धालुओं का आना-जाना लगा रहता है। चैत्र व शारदीय नवरात्र के अवसर पर यहां देश के अलग-अलग क्षेत्र से लोगों दर्शन करने पहुंचते है।

बताया गया कि मंडला जिले के अंजनिया क्षेत्र स्थित वरदान आश्रम के पंडित रामगोपाल शास्त्री नीलू महाराज इस समय चैत्र नवरात्र में विंध्याचल में आत्म कल्याण के लिए एकांतिक साधना कर रहे है। नीलू महाराज ने बताया कि ऐसा माना जाता है कि जहां सती के शरीर के अंग गिरे थे, वहां शक्तिपीठों का निर्माण हुआ था। जिसमें विंध्याचल वह स्थान और शक्तिपीठ है। जहां देवी ने अपने जन्म के बाद निवास करने के लिए चुना था। देवी को उनका नाम विंध्य पर्वत से मिला है।

विद्यार्थियों ने बनाई मनमोहक स्वीप रंगोली व मानव श्रृंखला

मंडला 15 अप्रैल नभाप्र. लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 के अंतर्गत जिले में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जिले में विविध नवाचार किये जा रहे हैं। सोमवार को भारत ज्योति हायर सेकेंडरी स्कूल लालीपुर के छात्र-छात्राओं ने मनमोहक रंगोलियां एवं मानव श्रृंखला बनाकर लोगों को नैतिक एवं अनिवार्य मतदान के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. सलोनी सिडाना ने प्रत्येक रंगोली का अवलोकन करते हुए उनमें दिए गए संदेश के बारे में छात्र-छात्राओं से जानकारी ली। छात्र-छात्राओं को कलेक्टर डॉ. सिडाना ने लोकतंत्र में मतदान का महत्व बतलाते हुए नैतिक एवं अनिवार्य मतदान के लिए प्रेरित भी किया जा रहा है। उन्होंने आव्हान किया कि सभी छात्राएं अपने परिवार, समाज, मोहल्ला, कॉलोनी सोसायटी और अपने परिचितों को मतदान के प्रति जागरूक करने के साथ प्रोत्साहित भी करें। उन्होंने मतदान के लिए मतदाता परिचय पत्र न होने पर वैकल्पिक 12 फोटोयुक्त पहचान पत्रों की जानकारी भी साझा की।

मीडिया कर्मियों ने डाक मतपत्र से किया मतदान

भातर निर्वाचन आयोग का जताया आभार

मंडला 15 अप्रैल नभाप्र. मीडियाकर्मियों को डाकमत पत्र से मतदान करने का अधिकार मिला है। इसके लिए पत्रकार परिषद जिला अध्यक्ष नीरज अग्रवाल ने भारत निर्वाचन आयोग का आभार व्यक्त किया है और कहा कि निर्वाचन आयोग द्वारा मीडिया को अनिवार्य सेवा में शामिल करते हुए डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा उपलब्ध कराई है जो सराहनीय कदम है।

जानकारी के अनुसार मंडला जिले में लोकसभा चुनाव के तहत जिन्हें डाक मतपत्र से मतदान की सुविधा प्रदान की गई है। डाक मतपत्र से 84 शासकीय सेवक अनिवार्य सेवा मतदाता सहित मीडिया कर्मियों ने सोमवार को मतदान किया। इसके लिए क्रमांक 2 स्कूल में डाक मतपत्र सुविधा केंद्र बनाया गया है। जहां 17 अप्रैल तक प्रात: 10 बजे से 3 बजे तक मतदान किया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी कलेक्टर ने बताया कि जिले में स्वास्थ विभाग एवं ऊर्जा विभाग के कर्मचारी और मीडियाकर्मी सहित 26 अनिवार्य सेवा मतदाता और प्रथम चरण में जहां मतदान होना है ऐसे लोकसभा क्षेत्र के चुनाव ड्यूटी कर रहे 259 मतदाता सहित कुल 285 मतदाता डाक मतपत्र के माध्यम से मतदान करेंगे। यह सुविधा केंद्र 17 अप्रैल तक रहेगी।

धर्म | सातवें दिन अन्न में कराया अधिवास, आज करेंगे शनैय अधिवास

पत्थर में श्रीराम के चरण पड़ते ही बन गई सुंदर स्त्री, श्राप मुक्त हुई अहिल्या

मंडला 15 अप्रैल नभाप्र. राजीव कालोनी झंडा चौक में स्थित श्री हनुमान मंदिर में प्रतिमाओं की प्राण प्रतिष्ठा और श्री विष्णु पुराण का नौ दिवसीय आयोजन चल रहा है। यहां स्थापित होने वाली भगवान की प्रतिमाओं को प्रतिदिन अलग-अलग अधिवास भी कराकर उनका पूजन, अर्चन के साथ प्रतिदिन रूद्री निर्माण, अभिषेक के साथ आरती की जा रही है। इस धार्मिक कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रृद्धालुओं का सैलाब उमड़ रहा है।

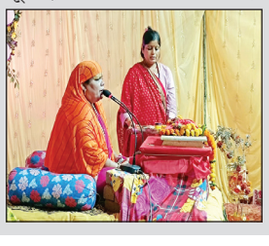

समिति के सदस्यों ने बताया कि विष्णु पुराण का वाचन कथा वाचिका उमा तिवारी देवी द्वारा किया जा रहा है। मूर्तियों की प्राण प्रतिष्ठा और विष्णु पुराण के आयोजन में भगवान विष्णु के विभिन्न अवतारों के प्रसंगों का वर्णन प्रतिदिन किया जा रहा है। पुराण के सातवें दिन विश्वामित्र, अहिल्या के उद्धार का प्रसंग भक्तों को श्रवण कराया गया। आज आठवें दिन सीता स्वयंवर और ताड़का वध का प्रसंग भक्तों को श्रवण कराया जाएगा।

अन्न से कराया भगवान को अधिवास

श्री हनुमान मंदिर में श्रीराम दरबार, श्री गणेश, श्री लक्ष्मी नारायण, राधा कृष्ण, श्री हनुमान, काल भैरव भगवान की प्रतिमाओं को अधिवास कराया जा रहा है। जिसमें पहले दिन जलाधिवास, दूसरे दिन दुग्धाधिवास, तीसरे दिन धृताधिवास, चौथे दिन फूलाधिवास, पांचवें दिन फलाधिवास, छटवें दिन विभिन्न मिष्ठान व शक्कर और सातवें दिन सभी भगवान की प्रतिमाओं का अन्नाधिवास कराया गया।

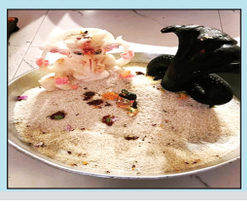

इंद्र ने किया छल, पत्थर की बन गई माता अहिल्या

सार्वजनिक दुर्गोत्सव समिति झंडा चौक द्वारा आयोजित श्री विष्णु पुराण कथा में कथा वाचिका उमा तिवारी देवी कथा के सातवें दिन माता अहिल्या के उद्धार की कथा सुनाई। उन्होंने बताया कि जब जनकपुर में सीता स्वयंवर में विश्वामित्र के साथ भगवान राम लक्ष्मण जनकपुर के लिए जाते है, इसी दौरान रास्ते में एक पत्थर श्रीराम के चरणों से टकरा जाता है, और देखते ही देखते वह पत्थर एक सुंदर स्त्री के रूप में परिवर्तित हो जाता है। तब विश्वामित्र इस पत्थर रूपी स्त्री की कथा राम को बताते हैं। विश्वामित्र कहते है कि यह गौतम ऋषि की पत्नी अहिल्या हैं, जो अपने पति के श्राप के कारण पत्थर बन गई थीं। एक दिन देवराज इंद्र की निगाह अहिल्या पर पड़ी, वह उसके साथ भोग करना चाहते थे। इंद्र ने चन्द्रमा के साथ मिलकर गौतम ऋषि के साथ छल करते है और इंद्र गौतम ऋषि का रूप धारण कर अहिल्या के पास पहुंच जाते है। जब गौतम ऋषि गंगा स्नान के बाद बाहर निकलते हैं, तभी उन्हें उनके साथ छल होने की जानकारी लगती है। यह सुनकर गौतम ऋषि वापस घर आते हैं। जहां इंद्र को अपनी पत्नी के साथ देखकर क्रोधित होकर श्राप देतेहै और अहिल्या को पत्थर बनने का श्राप देते हैं। अहिल्या के क्षमा मांगने पर गौतम ऋषि ने कहा कि भगवान के चरण स्पर्श से ही उद्धार होगा। कथा वाचिका उमा तिवारी देवी ने और अन्य प्रसंग भक्तों को सुनाए। आज आठवें दिन माता सीता के स्वयंवर का प्रसंग विष्णु पुराण में सुनाया जाएगा।

राम मंदिर में मनाई जाएगी राम नवमीं

लोकसभा चुनाव के कारण नहीं निकलेगी शोभायात्रा

भुआबिछिया 15 अप्रैल नभाप्र. आगामी 17 अप्रैल बुधवार को रामनवमी पर्व को लेकर विगत दिवस राम मंदिर में बैठक आयोजित की गई। जिसमें रामनवमी के दिन पूजन पाठ एवं प्रसाद वितरण का कार्यक्रम तय किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि इस बार लोकसभा चुनाव और आदर्श आचार संहिता को ध्यान में रखते हुए शोभा यात्रा नही निकाली जाएगी। वहीं रामनवमीं के दिन सुबह 8 बजे से 11 बजे तक राममंदिर में पूजन पाठ हवन किया जाएगा। शाम 5 बजे से 7 बजे तक प्रसाद वितरण किया जाएगा। समिति के पदाधिकारियो ने कार्यक्रम मे भाग लेने का आग्रह किया है। इसके साथ ही आगामी 23 अप्रैल को हनुमान जयंती के दिन शोभा यात्रा का कार्यक्रम किया जाएगा।